समाद

मैथिली में पहिल इ-पेपर

पटना, 15 अगस्त, 2008 ● सप्ताहिक ● अंक- 7 ● साल-1 ● इनटरनेट संस्करण

नालंदा विश्वविद्यालय मे अगिला साल स पढ़ाई

महुआ बनल पहिल भोजपुरिया चैनल

बिहार बनि गेल देश लेल मॉडल

सवाल उठैत अछि जे सरकारी योजना में गड़बड़ी आओर घोटाला लेल प्रख्यात बिहार आइ आम जन तक सरकारी खर्चक हिसाब क संग-संग सब तरहक जानकारी उपलब्ध करबा लेल प्रशंसा बटोर रहल अछि। सोनिया गांधीक इ निर्देश एहन समय मे आइल अछि, जखन बंधन आओर गठबंधनक राजनीति अपन चरम पर अछि आओर कोनो नेता अपन विरोधी दलक नेताक प्रशंसा करबा स पहिने खूब सोचैत अछि ।

समदिया

पटना : बिहार आखिरकार देश लेल मॉडल बनि गेल। बिहारक लेल इ गौरवक विषय अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक लेल इ कोनो पुरस्कार स कम नहि अछि जे विरोधी गठबंधनक अध्यक्ष सोनिया गांधी अपन पार्टीक नेता के बिहारक आरटीआइ मॉडल अपनेबाक निर्देश देलथि अछि। सोनिया गांधी अपन पार्टीक नेता लग दलीय राजनीतिक परिधि तोड़ी बिहार में आरटीआइ लेल केल गेल काजक खूब प्रशंसा केलथि। सोनिया गांधी कांग्रेसशासित राज्यक मुख्यमंत्री सबके स्पष्ट कहलथि जे बिहारक कॉल सेंटर आम लोकवेद के सूचना पहुंचेबा मे निक उदाहरण प्रस्तुत करि रहल अछि आओर एकरा हमरो सब के अपनेबाक चाहि। सोनियाक एहि प्रशंसा स नीतीश कुमार गदगद छथि। मुख्यमंत्री स जखन एहि संबंध में पुछल गेल त हुनक कहब छल जे एखन त शुरुआत अछि, देखैत जाउ बिहार केना विकास करैत अछि। बिहारक जनता अपना आओर अपन राज्यक विकास लेल शपथ खा चुकल अछि। नीतीश कुमार ई कहबा स नहि चुकला जे दिल्ली सरकार मे शामिल बिहारक नेता के आब इ ज्ञान हेबाक चाहि कि बिहार मे केना काज भ रहल अछि। सुशासनक मजाक उड़ा के ओ जनताक बीच जेबाक हिम्मत नहि जुटा पाबि रहल छथि।

बिहार मे यूपीएक सबस पैघ घटक राजद कांग्रेस अध्यक्ष आओर यूपीए क अध्यक्ष सोनिया गांधीक एहि निर्देश स परेशान अछि। राजद सोनियाक गप के काटि देबाक सामर्थ्य नहि रखैत अछि आओर नीतीशक प्रशंसा करब ओकरा लेल संभव नहि अछि। ओना राजद क किछु नेता लुका-छुपा के एहि गपक समर्थन करैत छथि जे बिहार में बहुत किछु बदलल अछि आओर सोनिया गांधीक कथन सर्वथा सत्य अछि। राजद के एकटा सांसद एतबा धरि कहलथि जे अगर बिहारक प्रशंसा भ रहल अछि त हमरा व्यक्तिगत रूप स कोनो परेशानी नहि अछि। पार्टी स्तर पर हम नहि कहब, मुदा पार्टियो लेल एकदा नकारब आसान नहि अछि।

सोनिया क प्रशंसा स पूर्वहु बिहार मे भ रहल काजक समय-समय पर प्रशंसा होइत रहल अछि। बिहार मे चलि रहल योजनाक प्रशंसा करबा में रक्षामंत्री प्रणब मुखर्जी सेहो शामिल छथि, जे पूर्व सैनिकक सैप में नियुक्ति पर बिहार सरकारक प्रशंसा करबा स नहि चुकला। प्रणब क प्रशंसाक कारण आइ अनेक राज्य पूर्व सैनिक के सैप सन खास सुरक्षा बल मे नियुक्त करबाक प्रयास शुरू करि देने अछि। एतबे नहि अनेक योजना त एहन अछि जाहि मे बिहार आइ अग्रणी बनि चुकल अछि। महिला के पंचायत आओर नगर परिषद में पचास फीसदी आरक्षण देबा मे बिहार सबस आगू रहल। आब बिहार के देखा-देखी राजस्थान सेहो आरक्षण देबाक फैसला ललक अछि।

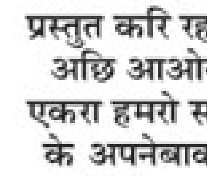

‘ बिहारक कॉल सेंटर आम लोकवेद के सूचना पहुंचेबा मे निक उदाहरण प्रस्तुत करि रहल अछि आओर एकरा हमरो सब के अपनेबाक चाहि। ’

सोनिया गांधी

‘ एखन त शुरुआत अछि, देखैत जाउ बिहार केना विकास करैत अछि। ’

नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री

बदलाव रातोराति नहि होइत अछि। पिछड़ापन स आजादी दू-चारि दिन मे नहि भेटैत अछि। एकरा लेल जे छटपटाहट चाहि ओ आइ अवश्य बिहार मे देखबा लेल भेटैत अछि।

की थीक ‘जानकारी’, केना करैत अछि काज

जानकारी क संबंध में पहिने लोक नहि जनैत छल। आमजन के नहि बुझल छल जे फोन पर सेहो जानकारी भेट सकैत अछि। सरकार एकर प्रचार-प्रसार खूब केलक। सरकारक प्रयास सफल भेल। आइ लगभग एक हजार फोन रोज अबैत अछि। इ कॉल सेंटर क कामयाबी आओर सूचनाक अधिकारक प्रति बिहारक जनता में जारूकता के प्रदर्शित करैत अछि।

समदिया

बिहार में कॉल सेंटरक माध्यम स आम जन तक सूचना पहुंचेबाक प्रयास साल 29 जनवरी स शुरू भेल। कॉल सेंटर चलेबाक जिम्मेदारीकनेक्अ इंडिया प्र लि नामक कंपनी के देल गेल अछि। एहि कॉल सेंटर मे दू टा नंबर उपलब्ध अछि। पहिल 155310 अछि। एहि नंबर पर बीएसएनएलक सामान्य शुल्क लगैत अछि। एहि नंबर पर कोई सूचनाक अधिकारक तहत जानकारी मांगी सकैत अछि। जानकारी चाहनिहार के इ बताउल जाइत अछि कि कोन जानकारी हुनका केकरा लग स भेट सकैत अछि। एकर बाद बारी करैत अछि आवेदन दाखिल करबाक। एकरा लेल 155311 नंबर उपलब्ध अछि। एहि नंबर पर पहिल पांच मिनटक लेल दस टका लगैत अछि, ओकर बाद सामान्य शुल्क दय अछि। एहि नंबर पर सबस पहिने ऑपरेटर के अपन नाम, पता आओर कई विभाग स जानकारी लेबाक आवेदन अछि एकर बाताउल जाइत अछि। गपक दौरान अहांक संपूर्ण जानकारी ऑपरेटर अपन कंप्यूटर में दर्ज करैत अछि दर्ज सूचना के अहांकि सुनेलाक बाद अहांक स्वीकृति पाबि ओ अहांक आवेदन स्वीकार करि लैत अछि आओर आवेदक के एकटा नंबर देल जाइत अछि जे हुनक आवेदन जमा हेबाक प्रमाण होइत अछि। तीस दिनक भीतर जानकारी नहि भेटला पर आवेदन नंबर बता दोबारा जानकारी मांगी सकैत छी। एहि लेल कोनो शुल्क नहि लागत। आवेदन दर्ज भेलाक तत्काल बाद आवेदन संबंधित विभाग के अधिकारी तक पत्र देल जाइत अछि। आवेदनक एकटा कॉपी आवेदक क पता पर सेहो पत्र देल जाइत अछि। आवेदन सही स्थान पर पहुंच जाए, तकरा लेल कंपनी एकटा खास सॉफ्टवेयर तैयार केने अछि। एहि काज के सुचारू रूप स संपन्न करबा लेल सरकारक दिस स सेहो एकटा अधिकारी कॉल सेंटर मे पदस्थापित छथि। तीस दिन के बाद सूचना नहि भेटबाक कोनो शिकायत अबैत अछि त कॉल सेंटर संबंधित अधिकारी के रिमांइडर पठबैत अछि।

एहि कॉल सेंटर के शुरू मे जानकारीक अभाव मे फोन कम अबैत छल, मुदा सरकार एकर प्रचार-प्रसार एहि रूप मे केलक जे आइ प्रति दिन एक हजारक आसपास फोन अबैत अछि। कॉल सेंटर के प्रभारी राजीव कुमार झा कहैत छथि जे बिहारक आम जन सूचना लेबा मे देशक कोनो आन राज्य स आगू अछि। भ्रष्टाचार रोकबा मे इ एकटा कारगर उपाय क रूप मे सामने आइल अछि। पहिने अधिकारी सूचना देबा मे कोताही बरतैत छलाह,मुदा आब ओ सूचना देबा मे तत्पर रहैत अछि।

पूरा भेल परियोजना: किछु एखने, किछु एकरा बाद

2009 में चालू होइत हरनौत कारखाना

समदिया

पटना : नालंदा मे हरनौत रेलवे सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना अगिला दिसंबर स काज करब शुरू करि दैत। रेलवेक मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुंज बिहारी मित्तलक अनुसार करीब 224 करोड़ टाकाक अनुमानित लागत स 112.8 एकड़ भूमि मे निर्माणाधीन एहि कारखाना मे डिब्बा मरम्मतक काज नवंबर स शुरू हेबाक उम्मीद केल जा रहल अछि। ओ कहलथि जे प्रत्येक सवारी डिब्बाक एक स डेढ़ वर्षक अंतराल पर सुरक्षाक दृष्टि स अनुरक्षण करब अनिवार्य अछि। एहि समय पूर्व-मध्य रेलवे क सवारी डिब्बा के पीरियॉडिक ओवरहॉलिंग लेल लिलुआ आओर गोरखपुर वर्कशॉप पठाउल जाइत अछि। एहि कारखानाक निर्माण भेला स इ सुविधा बिहार मे उपलब्ध भ जाइत। एहि कारखाना मे प्रति माह पचास टा सवारी डिब्बाक मरम्मत होइत, जेकरा बढ़ा के बाद मे सौ डिब्बा तक केल जा सकैत अछि। ओ स्वीकार केलथि जे परियोजना स्थल नीच भेलाक कारण माइट भरबा मे काफी समय लागल, कोना इ काज आब पूरा भ चुकल अछि। एहि कारखाना मे डिब्बा के एक स्थान पर राखि के ओकर ढांचा क सबटा मरम्मत काज करबाक सुविधा भेटत।

नालंदा विवि मे अगिला साल स पढ़ाई

समदिया

नई दिल्ली : नालंदा अंतराष्ट्रीय विश्व विद्यालय मे जल्द -जल्द पढ़ाई शुरू करबा लेलकवायत शुरू भ चुकल अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक इ सपना आब बहुत जल्द जमीन पर देखबा मे आउत। बिहारक गौरवशाली इतिहासक पुनरस्थापना लेल मुख्यमंत्री एहि विश्वविद्यालयक स्थापना लेल प्रयासरत छथि। एहि विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम आओर अन्य रूप रेखा तैयार करबाक जिम्मेदारी विश्वस्तरीय विद्वान लोकनिक हाथ मे छैन। जेकर नेतृत्व नोबल पुरस्कार स सम्मानित भारतीय मूलक अमर्त्य सेन करि रहल छथि। मेंटर ग्रुपक प्रमुख श्री सेन पिछला हफ्ता अपन सहयोगिक संग प्रधानमंत्री संग विचार-विमर्श केलथि। एहि अवसर पर विश्वविद्यालयक विजिटर पूर्व राष्ट्रपति कलाम आओर बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सेहो उपस्थित छलाह। प्रधानमंत्री संग वार्ताक बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उम्मीद जतेलथि जे अगिला साल स नालंदा मे पढ़ाई आरंभ भ जाइत। एहि स पूर्व दिल्ली मे अमर्त्य सेनक अध्यक्षता मे मेंटर ग्रुपक चारिम बैठक भेल। कहल जा रहल अछि जे नालंदाक बाहर इ अंतिम बैठक छल। अगिला बैठक नालंदा मे होयत। दिल्ली मे आयोजित चारिम बैठक मे पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम आओर नीतीश कुमार विशेष रूप स आमंत्रित छलाह। एकर प्रमुख कारण इ बताउल गेल जे मेंटर ग्रुप क किछु सदस्य के नीतीश कुमार आओर डॉ कलाम स किछु शंकाक समाधान चाहैत छलनाहि। बैठक मे दूनू गोटे सदस्यक सबटा शंकाक समाधान करैत अपन विचार रखलथि। नीतीश कुमार आओर डॉ कलाम व्यक्तिगत रूप से मेंटर ग्रुप स एहि परियोजना के जल्द स जल्द पूरा करबाक अपील केलथि। बैठकक संबंध मे जानकारी दैत नीतीश कुमार कहलथि जे नालंदाक बाहर इ अंतिम बैठक छल। आशा करैत छी जे अगिला फरवरी मे नालंदा मे मेंटर ग्रुपक आखरी बैठक आयोजित होयत। ओकर बाद ओहि ठाम पढ़ाई शुरू भ जायत। मुख्यमंत्री कहलथि जे मेंटर ग्रुप विश्वविद्यालयक प्रति काफी गंभीर अछि आओर इ विश्वविद्यालय सही मायने मे विश्वस्तरक होयत। मेंटर ग्रुप एकरा लेल छोट-स-छोट मुद्दा पर गहन विचार-विमर्श करैत अछि। ओना चारिम बैठकक बाद विश्वविद्यालयक स्वरूप, पाठ्क्रमक विषय आदि पर लगभग मुहर लागि चुकल अछि। श्री कुमार कहलथि जे एहि विश्वविद्यालय मे दर्शनशास्त्र, इतिहास, वाणिज्य व प्रबंधन, भाषा व साहित्य, परिस्थितिकी व पर्यावरणक संग-संग अंतरराष्ट्रीय संबंध जइसन विषयक पढ़ाई पहिल वर्ष मे शुरू होयत।

दिल्लीक हैदराबाद निवास मे आयोजित एहि बैठक मे विश्वविद्यालय स संबंधित अनेक मुद्दा पर चर्चा केलाक उपरांत एकटा ड्राफ्ट डाक्यूमेंट तैयार कइल गेल। एहि ड्राफ्ट डाक्यूमेंट के बैंकाक मे प्रस्तावित बैठक मे राखल जाइत। ज्ञात हुए कि नालंदा विविक स्थापना लेल पूर्वी एशियाक देश बैंकाक मे एकटा बैठक करत, जाहि मे कि तय हाइत जे कोन देश केहन योगदान एहि विश्वविद्यालयक स्थापना मे द सकैत अछि। श्री कुमार कहैत छथि जे केंद्र सरकार एहि परियोजनाक प्रति गंभीर अछि आओर आशा करैत छी जे ओ एहि विवि क स्थापना मे आगू बढ़ि के मदद करत। राज्य स्तर पर जे किछु भ सकैत छल भ चुकल आब केंद्रक स्वरकृति भेटला पर एहि विविक संचालनक जिम्मा केंद्र सरकार क हाथ मे सौंप देल जाइत।

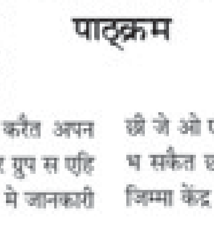

मेंटर ग्रुपक चारिम बैठक में तय भेल विश्व विद्यालयक स्वरूप आओर पाठ्क्रम

सकरी-विरौल बड़ी रेल लाइन तैयार

रामविलास पासवान क कार्यकाल मे शुरू भेल इ सकरी-विरौल परियोजना लालू प्रसाद क कृपा स पूरा भ गेल। उम्मीद केल जा रहल अछि जे नव बिछाउल पटरी पर एहि माहक अंत तक जांच क लेल ट्रेन दौड़त।

समदिया

पटना : यातायात सुविधाक मामले मे कंगाली झेल रहल मिथिलाक सबस पिछड़ल इलाका सुपौल जल्द रेल स जुड़ि जाइत। रामविलास पासवान क कार्यकाल मे शुरू भेल इ परियोजना लालू प्रसाद क कृपा स पूरा भ गेल। उम्मीद केल जा रहल अछि जे नव बिछाउल पटरी पर एहि माहक अंत तक जांच क लेल ट्रेन दौड़त। फिलहाल एहि रेलखंड पर सिंगल ट्रेन सिस्टम लागू होयत। यानी एकटा ट्रेन सकरी स विरौल तक जाइत आओर फेर विरौल स सकरी लौट आउत। एकरा लेल तत्काल कोनो समयक निर्धारण नहि भेल अछि। पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर क मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुबोध कुमार जैनक कहब छैन जे 27-28 अगस्त तक नव पटरी पर ट्रेन चलय लागत।

नव पटरी बिछेबाक कार्य पूरा भ चुकल अछि। अन्य काज सेहो लगभग पूरा भ चुकल अछि। पटरीक अंतिम जांच केलाक बाद एहि रेलखंड पर परिचालनक हरी झंडी द देल जाइत। श्री जैन कहैत छथि जे सवारी गाड़ी चलेबाक लेल वेल्डिंगक काज चलि रहल अछि। रेलवे बोर्ड स अनुमति लेबा लेल आवेदन जा चुकल अछि। श्री जैन कहैत छथि जे इंटर लिंगकिंग आओर सिगनलक काज एहि खंड पर हेबाक नहि अछि ताहि लेल इ दूनू काज एखन एहि खंड पर नहि भ रहल अछि। सकरी-विरौल के बीच तत्काल केवल हॉल्ट होयत। एहन मे सीआरएसक आदेश भेटलाक बाद गाड़ी चलय लागत। सिंगल ट्रेन सिस्टमक तहत एक ही रैक के अप आओर डाउन मे चलेबाक बाबत पूछला पर ओ कहलथि, जखन सिंगनल नहि होइत त तत्काल परिचालन एहिना भ सकैत अछि। भविष्य मे एकरा मे परिवर्तन होइत।

उल्लेखनीय अछि जे सकरी स विरौलक बीच 36किमी क दूरी मे तत्काल तीनटा हॉल्ट, जगदीशपुर, बेनीपुर आ नेऊरी होइत। एहि नव रेलखंड पर कुल 45 पुल-पुलियाक निर्माण केल गेल अछि। जाहि मे दूटा पैघ पुर सकरी आ बेनीपुर लग आओर 43 पुलिया बनाउल गेल अछि।

डुब्बाघाट पुल समय स पूर्व बनल

समदिया

पटना : बिहार मे डुब्बाघाटक पुल समय स पूर्व पूरा भ गेल। संभवतः इ पहिल एहन परियोजना अछि जेकरा बिहारक अभियंता समय स पूर्व पूरा करि लेलथि अछि। बिहार सन राज्य लेल इ एकटा रिकार्ड मात्र नहि अछि, इ रिकार्ड बता रहल अछि जे राज्य मे केवल काज भ नहि रहल अछि, बल्कि तेजी स भ रहल अछि। अभियंताक एहि तरहक प्रदर्शन स खुश सरकार सेहो एकटा रिकार्ड पुरस्कार देबाक निर्णय लेलक अछि। डुब्बा घाट पुल स जुड़क चारि टा अभियंता के सरकार विदेश यात्रा पर पठा रहल अछि। एहन पुरस्कार राज्य मे पहिल बेर कोनो सरकारी कर्मचारी के भेटल अछि। कार्यपालक सुनील कुमार के 45 हजार टका देल गेल अछि। जाहि स ओ सिंगापुर जेताह। श्री कुमार कटौंझा पुल स सेहो जुड़ल रहला अछि। एकर अलावा उदय कुमार दास क बैंकाक आओर रमेश आओर अखिलेश के श्रीलंकाक भ्रमण करताह

बिहार मे इ-पेमेंट क शुरुआत 22 स

समदिया

पटना : बिहारक व्यापारी लेल एकटा नीक समाचार। 22 अगस्त स बिहार क समस्त व्यापारी अपन टैक्स घर बैसल जमा करि सकैत छथि। टैक्स जमा करबा लेल हुनका आब सरकारी कार्यालय क चक्कर लगेबा स मुक्ति भेट जाइत। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 22 अगस्त के एकर विधिवत उद्घाटन करताह। राज्य वाणिज्य कर विभाग एकरा लेल अपन तैयारी पूरा करि चुकल अछि। पिछला सप्ताह उपमुख्यमंत्री आओर राज्यक वित्तमंत्री सुशील कुमार मोदी विभागीय अधिकारी स एहि योजनाक विस्तृत जानकारी प्राप्त केलथि। शुरू में इ-पेमेंट योजनाक सुविधा मात्र एसबीआइ संग शुरू केल जाइत, मुदा बाद में एकर विस्तार केल जाइत। बिहार में इ-पेमेंट योजना शुरू करबाक चर्चा बहुत दिन स छल, मुदा आब इ साकार भ रहल अछि। सूत्र कहैत अछि जे राज्य मे एहि योजना के लागू करेबा मे बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स क भूमिका सेहो महत्वपूर्ण अछि।

महुआ बनल पहिल भोजपुरिया चैनल

समदिया

पटना : हिंदी आओर अंगरेजी चैनल सबहक बीच मे देशवासी लोकनि लेल एकटा भोजपुरी चैनल आबि गेल अछि। भोजपुरी चैनल महुआक शुभारंभ दिल्लीक एकटा पांच सितारा होटल में रेलमंत्री लालू प्रसाद केलथि। एहि मौका पर लालू प्रसाद अपन भोजपुरी अंदाज मे कहलथि जे भोजपुरी हिंदीक माई थिक। स्वर्गीय भिखारी ठाकुर एकरा अपन रचना स पोषित केलाह आओर राजेंद्र प्रसाद आओर जयप्रकाश नारायण एकरा बुलंदी तक पहुंचेलाह। एहि मौका पर भोजपुरी स जुड़ल लगभग सबटा प्रसिद्ध लोक जमा छल। भोजपुरीक पहिल चैनलक उद्घाटनक अवसर पर मैथिलीक आओर हिंदीक दुनिया मे नाम कमा चुकल किछु हस्ती सेहो मौजूद रहथि। कार्यक्रम में उदित नारायण झा, प्रकाश झा, शारदा सिन्हा, आदेश श्रीवास्तव, समीर आओर भोजपुरी दुनिया स मनोज तिवारी, रविकिशन आदि उपस्थित छलाह।

बिहार में 320 टा इंजीनियर पउलथि सरकारी नौकरी

समदिया

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपन आवास पर आयोजित समारोह मे 320 अभियंता लोकनि के नियुक्ति पत्र सौंपलाह। ओ अभियंता लोकनि के निर्देश देलथि जे हर हाल मे नियत समय तक विभाग मे योगदान दथि। बिहार लोक सेवा आयोग स चयनित 367 अभियंता मे स अनेक समारोह मे शामिल नहि भ सकलाह। 1979 मे तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुरक समय मे पैघ पैमाना पर एक संगे अभियंता लोकनि के नियुक्ति पत्र सौंपल गेल छल। एहि अवसर पर नवनियुक्त अभियंता राज्यक विकास लेल शपथ लेलनि। जिनका लोकनि के नियुक्ति पत्र भेटल, हुनका पथ निर्माण विभाग आओर जल संसाधन विभाग मे पदस्थापित केल गेल अछि। नव नियुक्त अभियंता लोकनि के संबोधित करैत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहलथि जे विकास आओर योजनाक राशि खर्च करबा लेल एहि विभागक विशेष महत्व अछि। ताहि लेल नव नियुक्त अभियंता के एहि विभाग मे पठाउल जा रहल अछि। अभियंताक नियुक्ति भेला स विकासक मार्ग प्रस्सत होइत। नीतीश कुमार कहलथि जे बिहार मे जतेक पैघ पैमाना पर काज भ रहल अछि एहन मे अभियंताक कमी विकास मे बाधा छल। राज्यक नदी सब के जोड़बाक काज शुरू भ रहल अछि। मुख्यमंत्री अभियंता सब के ईमानदारी स बिहारक विकास मे लगि जेबाक निर्देशरूपी आग्रह केलथि।

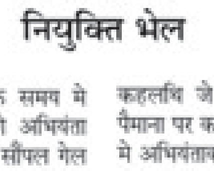

कर्पूरी ठाकुर (1979 मे)क बाद पहिल बेर एतेक पैघ पैमाना पर अभियंताक नियुक्ति भेल

दरभंगा मे हाइकोर्टक खंडपीठ हेबाक मांग उठल

समदिया

पटना : बिहारक बटबाराक बाद इ मांग उठैत रहल अछि जे दरभंगा मे पटना हाइकोर्ट एकटा खंडपीठ स्थापित हेबाक चाहि। दरभंगा ओनाओ मिथिलाक अघोषित राजधानी थीक। रांचीक बाद दरभंगाक मे पटना हाइकोर्ट क खंडपीठ खोलबा मे ककरो हर्ज नहि छैक, मुदा राजनीतिक इच्छाशक्तिक अभाव क कारण दरभंगा मे एहन कोनो काज नहि भ सकल अछि। रेलवे क जोनल कार्यालय पहिने दरभंगा मे खुलैत छल। नरगौना पैलेस ओकरा लेल अधिग्रहित भेल, मुदा ओहि ठाम ललितिविवि खुली गेल आओर बाद मे जोनल रेल हाजीपुर मे खुलल। तहिना सबकिछु रहलाक उपरांतो दरभंगा मे आइआइटी नहि खुलल।

कहल जाइत अछि जे मंत्री अपन क्षेत्र मे विशेष परियोजना लगा दैत छथि, मुदा दरभंगा एहि मे अपवाद अछि। फातमी क मंत्री रहलाक बादो दरभंगा मे आइआइटी नहि खुलल। कहल गेल जे हवाई अड्डा नहि अछि। जखन कि दरभंगा मे पिछला पांच दशक स बिहारक सबस पैघ हवाई पट्टी मौजूद अछि। एहन में दरभंगा मे हाइकोर्टक खंडपीठ लेल आवाज उठब उम्मीद जगबैत अछि जे सरकार क ध्यान दरभंगा पर होइत। ओना बार कॉउंसिल आफ इंडियाकराष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज नारायण प्रसाद सिन्हाक समर्थन स एकरा लेल आवाज उठेनिहार के बल भेटल अछि। श्री सिन्हा एकरा लेल सुप्रीम कोर्ट आओर हाइकोर्टक मुख्य न्यायाधीश क संग-संग राज्यक मुख्यमंत्री आ राज्य आ केंद्रक विधि मंत्री स भेंट करबा लेल गठित प्रतिनिधि मंडल मे शामिल हेबाक घोषणा केलथि अछि। हुनक एहि घोषणा स स्थानीय स्थानीय बार एसोसिएशनक सदस्य में उत्साह बढ़ि गेल अछि।

बिहार मे सड़क लेल जापान देत 16 अरब

समदिया

पटना : बौद्ध पर्यटन क्षेत्र मे चारि लेनक 481.20 किमी लंबा सड़क क निर्माण लेल जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन धन देबा लेल तैयार भ गेल अछि। सड़क निर्माण विभाग क प्रमुख सचिव आर के सिंह कहलथि जे राज्य मे बौद्ध धर्म स जुड़ल पर्यटन क्षेत्र मे चारि लेन वाला सड़क क निर्माण लेल जेबीआइसी धन देबा लेल तैयार भ गेल अछि। ओ कहलथि जे जेबीआइसी सरकार के भरोसा देलक अछि जे ओ प्रस्तावित सड़क लेल 16 अरब टका दैत। एहि परियोजनाक तहत मौजूदा बख्तियारपुर, बिहारशरीफ, नालंदा, राजगीर, हिसुआ, गया, बोध गया सड़कक निर्माण चारि लेन मे भ सकत। बिहार स्थित बुद्ध क पवित्र स्थल के जोड़ए वाला सड़कक हालत काफी खराब अछि, एहि कारण पर्यटक एहि क्षेत्र में नहि आबैत छथि। ओ कहलथि जे बिहार सरकार एहि साल अक्तूबर तक प्रस्तावित सड़कक लेल परियोजनाक रूप-रेखा सौंपि देत। हुनक अनुसार रिपोर्ट पूरा तैयार अछि। जेबीआइसी एहि परियोजनाक पड़ताल करत, तेकर बाद नवंबर मे एकटा परामर्शदाता एहि परियोजनाक अध्ययन करताह। ओ कहलथि जे हुनका उम्मीद छैन जे अगिला साल अप्रैल तक सड़कक निर्माण शुरू भ जाइत। गौरतलब अछि जे बिहार सरकार एहि साल फरवरी मे एहि परियोजना लेल जीबीआइसी लग रिपोर्ट सौंपने छल।

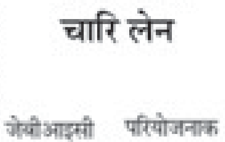

बिहार मे स्थित बौद्ध धर्म स जुड़ल पर्यटक स्थल क सड़क बनत आब चारि लेन

उषाकर झाक नाम पर स्कॉलरशिप

समदिया

दरभंगा : मिथिला विश्वविद्यालयक पूर्व उपकुलपति उषाकर झाक नाम पर सरिसव स्कूलक विद्यार्थीक लेल स्कॉलरशिप शुरू भेल अछि। प्रत्येक साल एहि स्कूलक दसवीं क टॉपर छात्र अथवा छात्रा के पांच हजार टका स्कॉलरशिप भेटत। एहि योजनाक शुभारंभ उषाकर बाबूक पुण्यतिथिक अवसर पर भेल। एकटा समारोह आयोजित करि एहि वर्षक टॉपर छात्रा क हाथ मे पांच हजार टका देल गेल। पहिल स्कॉलरशिप पाबैवाली छात्रा संयोग स अत्यंत गरीब परिवारक सदस्य छथि। हुनका लेल इ कोनो वरदान स कम नहि भेलनहि। हुनक पिताक कहब छनि जे टकाक अभाव मे बेटीक आगूक पढ़ाई बाधित हेबाक आशंका छल, मुदा आब बेटीक पढ़ाई चिंता नहि रहल। ज्ञात हुए कि सरिसव-पाही स्कूल अनेक विद्वान आ धनवान छात्र देलक मुदा आइ धरि एहि स्कूल के धुरि के देखनिहार नहि भेल। एहन मे उषाकर झाक नाम पर शुरू भेल इ स्कॉलरशिप क देखा-देखी किछु आओर लोक-वेद एहने योजना शुरू करताह एकर उम्मीद बनल अछि।

मूसहरक उत्थान लेल सरकार बनउलक योजना, कॉरपोरेट जगत के रिझेबाक प्रयास

मूस आब बनत होटलक 'खास आइटम'

कहियो लालू प्रसाद चरवाहा तक रोशनी पहुंचेबा लेल चरवाहा विद्यालयक परिकल्पना के हकिकत मे बदलि नायाब समाजशास्त्रीय हस्तक्षेप केने छलाह। आब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किछु एहने काज करबा प्रयास केलक अछि। नीतीश सरकार राज्यक अति गरीब मुसहर जाति क उत्थानक लेल मूसक मांस क बाजारीकरण करबाक निर्णय लेलेक अछि। जल्द राज्य क होटल मे लजीज व्यंजणक सूची मे मूसक मांस शामिल रहत।

समदिया

पटना : बिहार सरकार मुसहर जातिक उत्थान लेल एकटा नव तरहक योजना पर काज करि रहल अछि। पहिल बेर सुनला पर इ योजना अजीब अवश्य लागत, मुदा योजनाक पाछू सरकारक पक्ष काफी मजबूत अछि। बाजारीकरणक एहि युग मे बिहार सरकार कॉरपोरेट जगत के रिझेबा लेल मूसक सहारा ल रहल अछि। बिहार स ल के पूर्वोत्तर तक किछु खास जातिक लोक मूसक मांस खाइत अछि। बिहारक मुसहर जातिक लोक त मूस करबा लेल प्रख्यात अछि। मूसक मांस के प्रोत्साहित करबाक गगगगगगपाछू एहि जाति क सामाजिक आर्थिक उत्थानक उद्देश्य नुकायल अछि। राज्यक शहरी इलाका मे मूसक मांस क भोजन मे शामिल करेबाक प्रयास तेज केल जाइत। मुसहर जातिक लोक लेल मूस एकटा मनपसंद आहार अछि। मूस पकड़बा मे एहि जातिक प्रसिद्धि अछि। राज्य समाज कल्याण मंत्रालयक प्रधान सचिव विजय प्रकाश कहलथि जे हम मुसहर जातिक लोक के मुर्गा पालन क तर्ज पर मूस पालन लेल प्रोत्साहित करब। एकरा लेल एहि जातिक लोक के सरकार आर्थिक मदद सेहो करत। एहि परियोजना स एहि जातिक लोक क नियमित आमदनी होइत। पालतू मूसक मांस होटलों आओर शहरी इलाका मे खपाउल जाइत। प्रधानसचिव क दावा अछि जे मूसक मांस मुर्गाक मांस स अधिक स्वादिष्ट होइत अछि आओर पौष्टिकताक मामलस मे सेहो ई आगू अछि। राज्य मे मूसहर जातिक लोकक संख्या करीब 23 लाख अछि और हुनका सर्वाधिक पिछड़ा आओर शिक्षाक रोशनी स वंचित तबका मे राखल जाइत अछि। हुनक त एतबा तक दावा अछि जे राज्य क मोकामा आओर दानापुर सन इलाका मे मूसक मांसक प्रेमी बढ़ि रहल छथि। जाहिर अछि अब मूसक बाजार सेहो कॉरपोरेट जगत के आकर्षित करत।

राज्य मे मूसहरक संख्या करीब 23 लाख अछि और ओ सर्वाधिक पिछड़ल तबका मे राखल जाइत अछि।

श्वेता पढ़ौती विश्व के पाठ

समदिया

पटना : बिहार मे प्रतिभाक कमी कहियो नहि रहल। एकर प्रमाण सब दिन भेटैत रहति अछि। पिछला माह यूएनओ दिस स ऊर्जा संरक्षणक लेल एकटा निबंध प्रतियोगिता आयोजित भेल। एहि मे पटनाक माउंट कार्मल स्कूलक श्वेता 'हीरो ऑफ द मंथ' चुनल गेलीह। श्वेता क इ उपलब्धि ओ नार्वे मे आयोजित बाल संसद मे हुनक विलक्षण पेपर प्रस्तुत करबाक उपरांत भेटल अछि। आब ओ संपूर्ण विश्व के ऊर्जा संरक्षणक पाठ पढ़ौतथि। श्वेताक दावा अछि जे देशक कुल ऊर्जाक ठीक स उपयोग केल जाए त दू साल तक बिजलीक संकट नहि होइत। एहि लेल ओ सीएलएफक उपयोग बढ़ेबाक अपील करैत छथि। श्वेताक कहब छैन जे विश्व भरि मे बिजलीक खपत तेजी स बढ़ि रहल अछि। एहन स्थिति मे बिजलीक संरक्षण आवश्यक अछि। श्वेताक कहब छैन जे बिजली संरक्षण स प्रकृतिक दोहनक संग-संग दूर-दराज आओर पिछड़ल क्षेत्र तक बिजली पहुंचायल जा सकैत अछि।